

# आजाद सिपाही



कलम कलम बढ़ाये जा

## सीएम हेमंत सोरेन की सदर्यता पर फैसला कभी भी

**राजभवन पहुंचा चुनाव आयोग का पत्र! : राज्यपाल रमेश बैस की तरफ सबकी नजर**

आजाद सिपाही संवाददाता

आयोग के पत्र के बारे में रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता पर फैसला कभी भी हो सकता है। गुरुवार को

इस मामले से संबंधित चुनाव आयोग के फैसले की कांपी झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस को मिला।

राजभवन के एक अधिकारी ने चुनाव आयोग का पत्र मिलने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग से एक सीलबंद लिफाफा आया है। इसमें क्या है, इसमें क्या है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी जा सकती।

**राज्यपाल रमेश बैस दिल्ली से लौटे**

चुनाव आयोग का पत्र मिलने के समय राज्यपाल रमेश बैस गंभीर में नहीं थे। वह सोमवार को ही दिल्ली पहुंचे थे। गुरुवार की दोपहर बाद वह रांची लौटे। रांची एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद जब मीडिया ने उनसे चुनाव आयोग की रिपोर्ट के बारे में सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा कि उनकी कोई जानकारी नहीं है। वह दिल्ली पैस में इलाज करवाने के लिए गये थे।

राजभवन पहुंच कर इसकी जानकारी लेंगे। हालांकि देर शाम तक चुनाव मिलने के समय राज्यपाल रमेश बैस गंभीर में नहीं थे। वह सोमवार को ही दिल्ली पहुंचे थे। गुरुवार की दोपहर बाद वह रांची लौटे। रांची एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद जब मीडिया ने उनका पत्र छीना तो उन्होंने कहा कि उनकी कोई जानकारी नहीं है। वह दिल्ली पैस में इलाज करवाने के लिए गये थे।

राजभवन पहुंच कर इसकी जानकारी लेंगे। हालांकि देर शाम तक चुनाव मिलने के समय राज्यपाल रमेश बैस गंभीर में नहीं हुई है।



### दिन भर सीएम हेमंत सोरेन के आवास के बाहर हलचल रही

रांची (आजाद सिपाही)। चुनाव आयोग का पत्र मिलने की सूचना आने के बाद झारखंड के सियासी गलियों में हलचल तेज हो गयी थी।

आयोग ने मई में हेमंत सोरेन को एक नोटिस भेज कर खनन पट्टे पर उनका पत्र छीना था। 18 अगस्त को चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी हो गयी। फैसले सुनिश्चित रखा था। उस फैसले की कांपी राज्यपाल को भेज दी गयी है। बंद लिफाफे में पहुंचे रिपोर्ट में क्या लिखा है, इसकी जानकारी जारी रखने की जिसका निश्चय नहीं हुई।

### भाजपा कार्यालय में भी गहमा-गहमी

उठर हम्यू स्थित भाजपा के राज्य मुख्यालय में भी गहमा-गहमी रही। पार्टी के तमाम नेता वहां जमे रहे और झारखंड के पूरे राजनीतिक घटनाक्रम पर नजर बनाये रहे।

### 'भाजपा नेताओं और कठपुतली पत्रकारों ने तैयार की चुनाव आयोग की रिपोर्ट'

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चुनाव आयोग का पत्र राजभवन को मिलने की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि ऐसा लगता है कि भाजपा के नेताओं सहित

उनके सांसद और उनके कठपुतली पत्रकारों ने खुद चुनाव आयोग की रिपोर्ट का मौद्रिक तैयार किया है, जो सीलबंद लिफाफे में है, फिर इहें कैसे पता चल गया। एक द्वीप में सीएम हेमंत सोरेन ने कहा है कि संवैधानिक प्राधिकरणों और सार्वजनिक एजेंसियों का घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके से उनका पूर्ण अधिग्रहण देश के लोकतंत्र में अनदेखी है।

### कृष्ण ट्रीट, जो सुर्खियों में रहे

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके से उनका पूर्ण अधिग्रहण देश के लोकतंत्र की नींव पर गहरा कुराचायत है-हेमंत सोरेन

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

### हेमंत सरकार को कोई खतरा नहीं : सुप्रियो

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके से उनका पूर्ण अधिग्रहण देश के लोकतंत्र की नींव पर गहरा कुराचायत है-हेमंत सोरेन

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घोर दुरुपयोग और शर्मनाक तरीके से भाजपा मुख्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण भारतीय लोकतंत्र में अनदेखी है।

आग से तो हम हमेशा खेलते रहे

ज्ञानमुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का यह घोर दुरुपयोग और एक शर्मनाक तरीके का भेजने का घो

# आखिर इतनी डरी हुई क्यों है आम आदमी पार्टी!

अपने विधायकों को क्यों संभाल नहीं पा रहे केजरीवाल : उलटा होगा इस राजनीतिक प्रहसन का असर

भष्टाचार के खिलाफ आंदोलन की कोशी से पैदा हुई आम आदमी पार्टी ने 2020 में जब दिल्ली विधानसभा की 70 में से 62 सीटें जीती थीं, तब कहा गया था कि 2024 में वह भाजपा और कांग्रेस के मुकाबले के लिए तैयार होगी। अब आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल दिल्ली के बाद पंजाब में चुनावी जीत हासिल करने के बाद अगला प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने लगा है। लेकिन उनके सबसे मजबूत गढ़, यानी दिल्ली में ही एक अनजाना डर उन्हें सताने लगा है और यह डर 25 अगस्त की सामने आ भी गया। केजरीवाल ने अपने

विधायकों की बैठक बुलायी थी, लेकिन उसमें नौ विधायक नहीं पहुंचे। उन्होंने तत्काल आरोप लगा दिया कि उनकी सरकार को अस्थिर करने की साजिश रची गयी है और आप विधायकों को खरीदने के लिए आठ सौ करोड़ रुपये तैयार हैं। उनका यह आरोप भाजपा पर लगा, लेकिन कुछ ही देर बाद रिथिति स्पष्ट हो गयी और

एक बार फिर केजरीवाल ने 'ऑपरेशन लोटस' के फेल होने का एलान कर दिया। इससे पहले उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने अपने दिकानों पर हुई सीबीआई की छापामारी के बाद आरोप लगाया था कि उन्हें भाजपा की ओर से पार्टी को तोड़ने और इसके बदले सभी केस वापस लेने का ऑफर आया है। ऐसे

बेसिर-पैर के आरोप लगा कर आखिर आम आदमी पार्टी क्या साबित करना चाहती है। जिस पार्टी के पास इतना प्रचंड बहुमत है, वह इतनी डरी हुई क्यों है, यह सबल आज राजनीतिक हल्कों में पूछा जा रहा है। इसका जवाब कम से कम अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के नेताओं के पास तो नहीं ही है। तो फिर अपनी विश्वसनीयता को दांव पर क्यों लगा रहे हैं केजरीवाल, इसे समझना बहुत ज़रूरी है। आप की इस राजनीति का परत-दर-परत विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

भष्टाचार के खिलाफ आंदोलन की कोशी से 2 अक्टूबर 2012 को पैदा हुई आम आदमी पार्टी इन दिनों एक अंजीब किस्म की बैचों से जूझ रही है। इसके नेता अरविंद केजरीवाल दिल्ली के बाद पंजाब में मिली चुनावी सफलता के कारण खुद को 'पीएम एलीवेंट' मानने लगे हैं और आप को लगता है कि इनके नेता अरविंद केजरीवाल दिल्ली के बाद पंजाब में लगाए गए अपने भीतर की कमज़ोरी के सबसे दर्शक नहीं दे रही है।

अब वहाँ सवाल तात्पुर है कि भाजपा क्यों दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार को नियमान्वयन करवा जा सकता है, लेकिन उसके नियमान्वयन के बाद अपने भीतर की कमज़ोरी दिखायी नहीं दे रही है।

अब वहाँ सवाल तात्पुर है कि भाजपा क्यों दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार को नियमान्वयन करवा जा सकता है, लेकिन उसके नियमान्वयन के बाद अपने भीतर की कमज़ोरी दिखायी नहीं दे रही है।



अलंकारी मामलों में फंसे हुए हैं, एक मंत्री जेल में है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया शबाब घोटाले में फंस गये हैं। ऐसे माहौल में भाजपा अपने सिर पर बदनामी कर्यों लेना चाहिए। इधर 25 अगस्त को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से बुलायी गयी विधायकों की बैठक में देखते हुए उसके भीतर से हालांकि अलंकारी के लिए नियमान्वयन के बाबत अपने भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है। लेकिन उसके नियमान्वयन के बाबत अपने भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है।

विधायक एकजुट हैं और सरकार पर कोई खतरा नहीं है। केजरीवाल की बैठक में 53 विधायक पहुंचे, जबकि आठ विधिकारी को 20-20 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया है। जब उन्हें धमकी दी गयी है कि प्रत्येक विधायक को 20-20 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया है। उनके विधायकों को खरीदने की कोशिश की जा रही है। प्रत्येक विधायक को 20-20 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया है। उनके विधायकों को खरीदने की कोशिश की जा रही है।

उनके 40 विधायकों को खरीदने की जारी रही है। प्रत्येक विधायक को 20-20 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया है। उनके विधायकों को खरीदने की जारी रही है। उनके विधायकों को खरीदने की जारी रही है।

नेताओं ने कहा कि उन्हें धमकी दी गयी है कि प्रत्येक विधायक को 20-20 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया है। उनके विधायकों को खरीदने की जारी रही है। उनके विधायकों को खरीदने की जारी रही है।

उनके विधायकों को खरीदने की जारी रही है।

उनके विधायकों को खरीदने की जारी रही है।

## ट्रिवटर पर चला सीएम हेमंत हमारा अभिमान

जेएमएम ने पूछा : युनाव आयोग का नाम क्या भाजपा आयोग करना चाहिए?

आजाद सिपाही संवाददाता



कर देना चाहिए?

अपने ऑफिशियल ट्रिवटर हेमंत हमारा अभिमान हैस्टेंट राज्यपाल के बारे में अपने भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है। इसके साथ ही यह आयोग के कामों के द्वारा साझाएँ की जाएं जाती हैं। अपने भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है।

अपने भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है। इसके साथ ही यह आयोग के कामों के द्वारा साझाएँ की जाएं जाती हैं।

उन्होंने कहा कि इस मामले में फंसे हुए हैं, एक मंत्री जेल में है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के बैठक में फंस गये हैं। ऐसे माहौल में भाजपा अपने सिर पर बदनामी कर्यों लेना चाहिए। इधर 25 अगस्त को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से बुलायी गयी विधायकों की बैठक में देखते हुए उसके भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में फंसे हुए हैं, एक मंत्री जेल में है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के बैठक में फंस गये हैं। ऐसे माहौल में भाजपा अपने सिर पर बदनामी कर्यों लेना चाहिए। इधर 25 अगस्त को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से बुलायी गयी विधायकों की बैठक में देखते हुए उसके भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में फंसे हुए हैं, एक मंत्री जेल में है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के बैठक में फंस गये हैं। ऐसे माहौल में भाजपा अपने सिर पर बदनामी कर्यों लेना चाहिए। इधर 25 अगस्त को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से बुलायी गयी विधायकों की बैठक में देखते हुए उसके भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में फंसे हुए हैं, एक मंत्री जेल में है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के बैठक में फंस गये हैं। ऐसे माहौल में भाजपा अपने सिर पर बदनामी कर्यों लेना चाहिए। इधर 25 अगस्त को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से बुलायी गयी विधायकों की बैठक में देखते हुए उसके भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में फंसे हुए हैं, एक मंत्री जेल में है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के बैठक में फंस गये हैं। ऐसे माहौल में भाजपा अपने सिर पर बदनामी कर्यों लेना चाहिए। इधर 25 अगस्त को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से बुलायी गयी विधायकों की बैठक में देखते हुए उसके भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में फंसे हुए हैं, एक मंत्री जेल में है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के बैठक में फंस गये हैं। ऐसे माहौल में भाजपा अपने सिर पर बदनामी कर्यों लेना चाहिए। इधर 25 अगस्त को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से बुलायी गयी विधायकों की बैठक में देखते हुए उसके भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में फंसे हुए हैं, एक मंत्री जेल में है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के बैठक में फंस गये हैं। ऐसे माहौल में भाजपा अपने सिर पर बदनामी कर्यों लेना चाहिए। इधर 25 अगस्त को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से बुलायी गयी विधायकों की बैठक में देखते हुए उसके भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में फंसे हुए हैं, एक मंत्री जेल में है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के बैठक में फंस गये हैं। ऐसे माहौल में भाजपा अपने सिर पर बदनामी कर्यों लेना चाहिए। इधर 25 अगस्त को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से बुलायी गयी विधायकों की बैठक में देखते हुए उसके भीतर की कमज़ोरी के सामने लगता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में फंसे हुए हैं, एक मंत्री जेल में है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के बैठक में फंस गये हैं। ऐसे माहौल में भाजपा अपने सिर पर बदनामी कर्यों लेना चाहिए। इधर





रामगढ़/चत्ती

# कोयला चारकोल की हराफेरी में चांदी काट रहे ट्रांसपोर्टर

## रामगढ़ के कोल साइडिंग में चल रहा है चारकोल मिलावटी का बड़ा खेल



**शाम ढलते ही होती चारकोल की ट्रांसपोर्टिंग**  
सबसे बड़ी बात है कि सेकंडों ट्रकों से चारकोल की ट्रांसपोर्टिंग होती है। लेकिन कोई इसे हाथ नहीं लगता है। रोजाना चारकोल की बड़ी खेल रामगढ़ जिला के अलावे अन्य जिलों में स्थापित कोल साइडिंगों में पहुंच रहा है। लेकिन उसे रोकने टोकने वाला कोई नहीं है।

**बीरु कुमार/आजाद सिपाही**  
कोल साइडिंगों में चारकोल कोयला मिलावटी का खेल खेला होरफेरी का बड़ा खेल हो रहा है। जिसके कारण बाहर के सहारे भेज दिया जा रहा है। जिसे कोई नहीं रोक रहा है। जिसके कारण कोल साइडिंगों में चारकोल आसानी से पहुंच रहा है।



# हमला : कृष्ण की छठी भंडारा में उपद्रवियों ने फर्नीचर व्यवसायी पर किया जानलेवा हमला, स्थिति गंभीर

## व्यवसायी संघ ने थाना का घेराव कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की

हमला में शामिल आरोपियों की शीघ्र निपटाई की जांग की विधेय ने व्यवसायी ने नाजिंआंव बाजार की सभी दुकानें रखी बंद



मध्यांचांव। मध्यांचांव राधा कृष्ण मंदिर में बुधवार की त्रिंशु आठ बजे भगवान श्री कृष्ण के छठी समारोह के दौरान चल रहे भंडारे के बाद मंदिर में भजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए आरंभीय व्यवसायी सुदेश्वर शर्मा एवं उनके पुत्र अमरेश कुमार शर्मा के साथ असमाजिक तत्वों के द्वारा इंट, लाटी डंडे, एवं तलवार से हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। हमला के दौरान गंभीर रूप से घालू सुदेश्वर शर्मा को आक्रोशित हजारों की संख्या में व्यवसायी दुर्गा मंदिर परिसर में उपचार के बाद परिजनों द्वारा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से चिकित्सकों द्वारा

**समाजसेवी बबतू सिंह ने निजी खर्चे से ग्राम आदर में सड़क की मरम्मत करायी**

बर्डीहा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आदर में समाजसेवी सह विश्रामपुर विधानसभा के भावां उम्मीदवार बबतू सिंह उक्त अधिकारी ने नेतृत्व में ग्राम आदर पंचायत की जनता के अनुरोध पर व्यक्ति अधिकारी उक्त सड़क में गड़ों में पानी भर होने से लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। समाजसेवी ने अपने निजी खर्चे से सड़क की मिट्ठी मोरम से भर कर चलने लायक बनाया। उन्होंने बताया कि बर्डीहा प्रखंड व्यवसियों एवं पूर्व विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिए मैं समर्पित हूं। मैंके पर आदर पंचायत के मुखिया पाति गवासी-द्वीप अंसारी, पूर्व बीटीपी पांडु सुधीन अंसारी, अब्बास अंसारी, सगर अंसारी, सुनर सिंह, उदय ठाकुर धर्मेंद्र साव मौके पर उपरिथत हैं।

**मेराल व्यवसायी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष बने नवीन जायसवाल**



मेराल (आजाद सिपाही)। मेराल के व्यवसायीयों की एक बैठक बुधवार को बस स्टैंड स्थित कैलाश प्रसाद के मकान में डॉ अशोक प्रसाद की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पूर्व अध्यक्ष कुमार प्रसाद तथा कुशवाहा, संजय प्रसाद तथा बाबी संख्या में स्थानीय व्यवसायीयों के साथ-साथ अतिथि के रूप में गढ़वा के व्यवसायी कंचन साह, ज्येति प्रकाश आदि शामिल हुए। बैठक में निष्क्रिय व्यवसायी संघ को सक्रिय बनाने पर चर्चा हुई। विमर्श के बाद तय हुआ कि संघ के गठन से फहले सदस्यता अधियान चलाया जाए। इसके बाद संघ के पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। सदस्यता अधियान चलाने तथा चुनाव होने तक कार्यकारी अध्यक्ष का चयन किया जाए। बैठक में निष्पत्ति अधिकारियों को राय से नवीन जायसवाल को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। नवीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर युवा व्यवसायीयों ने लड्डु बाटे तथा नवीन को फूल माला से लाद किया। बाद में युवाओं ने जुड़वा की शरण में मेराल बस स्टैंड में भ्रान्त किया। सभी दुकानदारों को लड्डु खिलायी। मौके पर अद्वारा अध्यक्ष को राय से नवीन जायसवाल को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। नवीन को अपने अध्यक्ष के रूप में गढ़वा के व्यवसायी कंचन साह, ज्येति प्रकाश, जायसवाल, अनुज प्रसाद, पंकज जायसवाल, रेखा अंसारी, अरविंद भारा, डब्ल्यू, चंदन, प्रमोद युद्धा, अधिकारी कुमार मेहता, संते शंकर, शिव शंकर, तैयब अंसारी, आकाश कुमार, मुना राम, समीप रंगसाल, गरवा जायसवाल, अंजय विश्वाल, आलोक साही, योगेन्द्र कुमार, वाजुदीन अंसारी, सत कुमार, हर्माद अंसारी सहित कई लोग शामिल थे।

**अवैध अस्पताल : एक बार फिर झोला छाप डॉक्टरों की भेंट चढ़ा एक नवजात शिशु रजिस्ट्रेशन रद्द होने के बावजूद अवैध रूप से हो रहा प्रगति हाँस्पिटल का संचालन**



उपयुक्त के निर्देश पर बीड़ीओ विकास प्रभारी ने मामले की जांच कर संचालक पर प्राथमिकी दर्ज करने की बात कही।

आजाद सिपाही संचालदाता कांडों। प्रखंड क्षेत्र में एक बार फिर झोला छाप डॉक्टरों की भेंट चढ़ा एक नवजात शिशु। हम बात कर रहे हैं प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रगति हाँस्पिटल की जहां एक गर्भवती महिला का प्रसव कराने के दौरान नवजात शिशु की मृत्यु हो जाती है। यह मामला तब प्रकाश में आया है जब परिजनों के द्वारा होला किया जाता है। यह मामला तब प्रकाश में आया है जब परिजनों के द्वारा होला किया जाता है।

प्रगति हाँस्पिटल के संचालक मुकेश कुमार कुशवाहा के द्वारा उक्त अस्पताल को अवैध तरीके से चलाया जा रहा था। बुधवार की पहुंच कर सम्पूर्ण मामले की जांच करते हुए उक्त संचालक पर प्राथमिकी दर्ज करने की बात कही। इसके सफल प्रसव कराने के प्रभारी चिकित्सा प्रभारी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए कहा कि जिसका खर्च डॉक्टर के द्वारा

दो माह पूर्व बनी पुलिया पहली बारिश में ही टूट कर बह गयी

सीआरपीएफ कैप सहित कई गांवों के लोगों का आपस में संपर्क टूटा

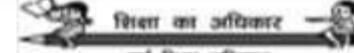


आजाद सिपाही संचालदाता

भंडरिया। थाना क्षेत्र के अती उत्तर व्यवसायी पर हमला की घटना के विषय में मझिंआंव बाजार की सभी दुकानें बंद रहीं। यद्यपि परिसर में बंद की लोगों ने कहा कि मंदिर परिसर में पुलिस प्रशासन की मौजूदगी के बाद भी विनाई दर्भय के असमाजिक तरीके द्वारा व्यवसायी पर जानलेवा हमला किया जाना व्यवसायी समाज के लिए काफी खतरनाक है। पिछे की सभी लोगों ने कहा कि यह लोग दवांग द्वारा दिखाकर हम व्यवसायी वर्ग के लोगों में स्थौर पैदा करना चाहते हैं, जिसे किसी भी क्रीमत पर बदौर नहीं किया जाएगा।

पुलिया के टूट जाने से आसपास के गांव तूरे तमरा बहेरा टोली, तेरे तुमरा करहू एवं पुनदग व्यवसायी समाज के लिए एक ग्रामीण व्यवसायी वर्ग के लोगों को आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है। उधर बूदा पहाड़ से लगे सुदूरवर्ती ग्रामीण व्यवसायी लोगों को आवागमन के लिए एक ग्रामीण व्यवसायी वर्ग के लोगों को लातार से बनी सड़क यारी है।

कार्यालय, झारखण्ड शिक्षा परियोजना, कोडरमा



तैनात जावानों का भी सड़क यारी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विद्यालयों का निरीक्षण व अन्य विभागीय कार्यों में प्रयोग हेतु बोलेरो/स्कॉलरी/सुमो वाहन को मालिक कियारे के आवार पर आवश्यकता है। अतः इच्छुक वाहन स्कॉलरी से निन्म शर्तों के अनुसार दिनांक 07.09.2022 को अपाराहन 03:00 बजे तक गोला बन्द लियाकामे में कोटेश्वर आंतरिक तरीके हैं। नियरिति तिथि एवं समय के बाद प्राप्त कोटेश्वर पर विचार नहीं किया जायेगा। कोटेश्वर दिनांक 08.09.2022 को अपाराहन 04:00 बजे अंगूहसत्तारी के कायालय में खोला जायेगा। जिला के वेबसाइट www.koderma.nic.in पर देखा जा सकता है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समग्र शिक्षा अधिकारी, कोडरमा।

PR.276414 Jharkhand Education Project Council(22-23)D

जिला खेत पदाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़  
जिला खेत शास्त्रात्मक

द्रुतगामी :

Email ID : dsoramgarh48@gmail.com

सुचना

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल (बालक एवं बालिका) प्रतियोगिता 2022-23

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय के पत्रांक-333 दिनांक 24.08.2022 के आलोक में खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय झारखण्ड राज्यी द्वारा मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल (बालक एवं बालिका) प्रतियोगिता 2022-23 के आयोजन की तिथि निम्नवत् है:-

क्र०सं	आयोजन का स्तर	आयोजन का तिथि
1	पंचायत स्तरीय (जिला के सभी पंचायत)	29 सितम्बर से 08 अक्टूबर-2022 तक
2.	प्रखण्ड स्तरीय (जिला के सभी प्रखण्ड)	14 अक्टूबर से 21 अक्टूबर, 2022 तक
3.	जिला स्तरीय	22 अक्टूबर से 03 नवम्बर, 2022 तक
4.	जोनल स्तरीय (चार जोन में)	05 नवम्बर से 08 नवम्बर, 2022 तक
5.	राज्य स्तरीय	10 नवम्बर से 14 नवम्बर, 2022 तक

उपरोक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का विशेष जानकारी हेतु जिला खेल कार्यालय, रामगढ़ के मो-0-8521422407, 8709816456 से सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला खेल पदाधिकारी, रामगढ़।

PR.NO.276415 District(22-23):D

जिला खेत पदाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़

# लोहरदगा/लातेहार

पृष्ठातिथि पर धार्मिक अनुष्ठान के साथ छाता वितरण किया



लोहरदगा (आजाद सिपाही)। कुंवर भवन में शकुंतला देवी एवं निर्मला कुंवर की पुण्यतिथि धार्मिक अनुष्ठान के साथ मनायी गई। मौके पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व की वर्षा की गई। इस अवसर पर कुंवर कोटी शिर उनकी प्रतिमा पर भी मात्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सूमन अर्पित किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के बाद उनके पैतृक गांव खड़ी बिजारी में जरूरतमधोरे के बीच छाता का वितरण किया गया। मौके पर बड़ी सख्त मार्गीय मौजूद थी। इस अवसर पर लोगों ने बताया कि शकुंतला देवी एवं निर्मला कुंवर धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। समाज के लिए उन्होंने काफी कुछ किया। जरूरत मंदों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रही थी। लोगों को उनकी कमी काफी खलती है। मौके पर दीपक प्रकाश कुंवर, अनुपम प्रकाश कुंवर, मनोज चंद्र कुंवर, उदय शंकर कुंवर, गोपी कृष्ण कुंवर, विवेक कुंवर, गोराम कुंवर, हर्षवर्धन कुंवर, राजवदन कुंवर, रियान कुंवर, माला देवी, अंजु देवी, पूर्णमा कुंवर मनू कुंवर, आकाशा, अमाला, खुशी कुंवर, प्रियंका कुंवर, श्रवा कुंवर, मनोज राय, प्रदीप राय, महिला कुमारा सिन्हा, राजेव, भरत उराव, सिताराम उराव, पुनित उराव, मनोजी लोहराइन, ललकू, हावेंतुर असारी, अजारल असारी, लालू उराव, रंजीत, मदन उराव सहित बड़ी सख्ता में ग्रामीण मौजूद थी।

## श्रीनगर में स्थानांतरण पर सीआरपीएफ कमांडेंट को दी विदाई

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। उग्रवार को 158 बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारियों एवं जवानों द्वारा प्रभात कुमार सदवार, कमांडेंट को उनके 54 बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर) में स्थानांतरण पर काम करने के लिए खरूर घुसपैठी विदाई दी गई। इस अवसर पर बटालियन के नये कमांडेंट राहुल कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी पैके, सिंह, मनोज कुमार, उप कमांडेंट उपरिषद थे। 158 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में अपनी करीब 03 साल 02 माह एवं 14 दिन की सेवा के दौरान इनके नेतृत्व में बटालियन ने परिचालनिक दायित्वों का भली-भाति निर्वहन करते हुए अनेकों परिचालनिक उपलब्धियां हासिल की। जिसमें डबल बुल एक महत्वपूर्ण परिचालनिक उपलब्धि थी, जिसमें एक 10 लाख का इनामी नवकासी सहित 07 अन्य नवकासी गिरावतार किये गये थे एवं भारी माला-गार्ला, हसियार तथा नवसल इत्याहास सहित राहिल एवं रियासारण लोहर, भरत उराव, सिताराम उराव, पुनित उराव, मनोजी लोहराइन, ललकू, हावेंतुर असारी, अजारल असारी, लालू उराव, रंजीत, मदन उराव सहित बड़ी सख्ता में ग्रामीण मौजूद थे।

## बीएसएफ के साथ मारपीट करने वाला एक आरोपी गिरफतार

लोहराहर (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के वरियातु ग्राम में रविवार को एक बीएसएफ जवान और उसके साथी के साथ मारपीट करने के मामले में 14 नमाजद आरोपीयों में से एक को लोहराहर पुलिस ने गिरफतार कर लिया है। इस संघर्ष में लोहराहर थाना प्रभारी इस्पेटर अमित कुमार गुमा ने बायाका कि बीएसएफ जवान के साथ मारपीट करने के एक साथी मालीज आलम को गिरफतार कर जेल भेजा गया। हवी अर्थ नमाजद अधिकृत की गिरफतारी के लिए छापारी की जा रही है। इसमें एक लाख का इनामी नवकासी सहित 07 अन्य नवकासी गिरावतार किया गया था। कामांडेंट प्रभात कुमार सदवार के कार्यकारी के दौरान बटालियन ने नवसल विरोधी अभियान में जो उपलब्धियां हासिल की है उसका परिणाम साफ तौर पर जालके लगा।

## लोहरदगा अधिकारी संघ का युनाव शांतिपूर्ण संपन्न, पुरानी कमिटी के लगभग सभी पदाधिकारी हारे

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य विधिक परिषद रांगी के तत्वाधान में लोहरदगा बार एसोसिएशन का युनाव दिलवस्य और रोमांचक एवं अधिवक्ताओं की भावना के अनुरूप संपन्न हुआ। पुरानी कमिटी के लगभग सभी पदाधिकारी हारे और सारे नेवे पदाधिकारी युनाव जीत कर लोहरदगा जिला में कुल 105 अधिकारी वाटर है। जिसमें से 101 वोटरों ने अपने मताधिकारका का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद में प्रोमोद कुमार मुस्तारी ने अपने निकटतम प्रत्यार्थी अमित कुमार आलम को 39 मतों से पराजित किया। वही अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 27 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 27 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 27 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 27 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 27 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 27 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 27 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 27 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 27 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 27 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 36 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 45 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 54 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 17 वोटरों ने अपने वोटरों के बीच छापारी की जीत की। अध्यक्ष पद में सीधे 20 वोटरों ने







